an>

Title: Need to impose total ban on slaughter of cow in the country and take effective steps for conservation and development of cow and cow-breeds.

डॉ. किरिट पी. सोलंकी (अहमदाबाद) : महोदय, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि आज पूरे देश भर से गौवंश हत्या बंदी और गोवंश संवर्धन के लिए आवाज उठ रही है। हमारा देश कृÂिा प्रधान देश है। भारतीय कृÂिा पूर्ण रूप से गौवंश पर आधारित थी, परंतु समय के साथ-साथ रसायनों और कृÂिा यंत्रों ने इसका स्थान ले लिया, जिससे हमारा समाज और गौवंश बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। रसायनों के उपयोग से भोज्य पदार्थ जहरीले हो गए और अधिक वाहनों के कारण हमारा वातावरण दूÂिात हो गया है। गौवंश की उपयोगिता के रूप में दुग्ध और दुग्ध पदार्थ मानवीय स्वास्थ्य के लिए अमृत हैं। गौमाता केवल पौराणिक आधार पर ही पूज्यनीय नहीं है, अपितु इसकी उपयोगता परिवार, समाज औरर राÂट्र के लिए भी अद्वितीय है। गौवंश, वास्तव में चलती-फिरती रसायन शाला है जो घास-फूस और हरियाली गृहण करके उसके बदले में गोबर, गौमूत्र प्रदान करती है, जो फसलों के लिए भगवान का वरदान है। साथ ही बैलों की उपयोगिता से कृÂिा में मंहगे डीजल, पैट्रोल की लागत को शून्य किया जा सकता है तथा वातावरण को भी प्रदूÂिात होने से बचाया जा सकता है। रसायनिक खेती में पानी अधिक मात्रा में खर्च होता है, लागत अधिक आती है और पानी के स्त्रोत में भी गिरावट आती है जबकि गोबर की खाद से खेती करने पर उत्पादन बढ़ता है तथा कृÂिा लागत कम होती है और किसान की आय में बढ़ोत्तरी होती है। इसके साथ ही साथ गौ के अपशिÂट पदार्थों से कीटनाशक खाद, दवाइयाँ आदि निर्मित करने से मानव जाति को फायदा तो होता ही है, साथ ही साथ हजारों हाथों को रोजगार भी मिलता है। यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि मात्र गौमूत्र से ही 100 से ज्यादा रोगों का इलाज संभव है। इसलिए इसे पांच से ज्यादा अंतर्राÂट्रीय पेटेंट प्राप्त हो चुके हैं।

अतः सदन के माध्यम स मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है क भारतीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए गौ संवर्धन और गौ-संरक्षण के लिए ठोस और कारगर नियम बनाए जाएं। गौ हत्या पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए, गौमाता को राÂट्रीय प्रतीक मानते हुए इनकी सुरक्षा की जाए एवं गौशालाओं का निर्माण करके इनके वंश में वृद्धि करने के लिए सार्थक नियम बनाए जाएं।

15.00 hrs

DISCUSSION UNDER RULE 193